



میشن शिक्षण संवाद

چچا نہرو کا چوڑی دار پاجاما

چاچا نہرو کا جوڑی دار پاجامہ



بہت دنوں کی بات ہے ایک بار لندن میں چاچا نہرو کو تقریر کرنے کے لیے بلایا گیا ان دنوں وہاں کے لوگوں نے ان کو اپنے قومی لباس میں کم ہی دیکھا تھا گورو گوبندراجپتہ بونے ہونے ہندوستان کی عزت پر اصرار رکھنے کے لیے صرف ہندوستانی ہی لباس ہی پہنتے تھے۔ وہاں جب وہ تقریر کرنے کے لیے کھڑے ہوئے تو بالکل عجیب و غریب لباس پہنے اور خصوصاً عورتوں میں ہلچل مچ گئی کیونکہ وہ سمجھے کہ ہندوستانی وزیر اعظم انڈرونٹر ہیں مگر آگے سے اور ہٹلر کی طرح نظر آ رہے تھے۔ جب سے چاچا نہرو وزیر اعظم بن کر دہلی آئے تھے۔ انکی شہر واپس اور پاجامہ کرنے دہلی کے ایک بوڑھے ٹیلا ماسٹر صاحب سے ملے تھے۔ چاچا نہرو کو بھلا کیا، فرصت تھی کہ وہ اپنے گزروں کی طرف توجہ دے۔ پیرس ٹیلا ماسٹر صاحب خود آئے اور چاچا نہرو کی اجازت سے ان کے گزروں کی اماری کھولنے۔

بہت دنوں کی بات ہے ایک بار لندن میں چاچا نہرو کو تقریر کرنے کے لیے بلایا گیا، ان دنوں وہاں کے لوگوں نے ان کو اپنے قومی لباس میں کم ہی دیکھا تھا کیونکہ وہاں پر آج کل ہندوستان کی عزت پر اصرار رکھنے کے لیے صرف ہندوستانی ہی لباس ہی پہنتے تھے۔ وہاں جب وہ تقریر کرنے کھڑے ہوئے تو بالکل عجیب و غریب لباس پہنے اور خصوصاً عورتوں میں ہلچل مچ گئی کیونکہ وہ سمجھے کہ ہندوستانی وزیر اعظم انڈرونٹر ہیں مگر آگے سے اور ہٹلر کی طرح نظر آ رہے تھے۔ جب سے چاچا نہرو وزیر اعظم بن کر دہلی آئے تھے۔ انکی شہر واپس اور پاجامہ کرنے دہلی کے ایک بوڑھے ٹیلا ماسٹر صاحب سے ملے تھے۔ چاچا نہرو کو بھلا کیا، فرصت تھی کہ وہ اپنے گزروں کی طرف توجہ دے۔ پیرس ٹیلا ماسٹر صاحب خود آئے اور چاچا نہرو کی اجازت سے ان کے گزروں کی اماری کھولنے۔

अभ्यास कार्य..... مشق

پیج 3 کے جواب۔

سوال 1۔ پنڈت نہرو کو لندن کس نے بلایا گیا؟

جواب 1۔ کرنل جانسن امریکہ کے صدر تھے۔

سوال 2۔ عورتوں میں کیونہلچل مچ گئی؟

جواب 2۔ کرنل جانسن نے پنڈت نہرو سے چوڑی دار پاجامہ کو پہننے کی ترکیب پوچھیں۔

سوال 3۔ چاچا نہرو کے کرتے پاجامہ کون سیٹا تھا؟

الفاظ... معنی

پ്രश्न 1. پنڈت نہرو کو لندن کس لیے بلایا گیا؟

1.. خصوصاً... خاص طور پر

پ്രश्न 2. حال میں بےठी औरतों में क्यों हलचल मच गई?

1. खुसूसन.. खास तौर पर

پ्रश्न 3. چاچا نہرو کے کورٹے پاجامہ کون سیٹا تھا؟

جملے میں درستہ مال. پنڈت نہرو کو دیکھ کر खास तौर पर औरतों में हलचल मच गई,

نوٹ:-

پنڈت جواہر لال نہرو کی ماما کا سارو رپ رانی تها اور انکی بیتی کا نام इन्द्रा गाँधी था اور वो हिंदुस्तान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी।

کاپی میں کام کریں کریں کریں۔ آپ ان سبھی جانکاری کو یاد کریں اور اپنی کاپی میں لیکھ کر رکھیں۔



Subject - उर्दू

Chapter-

चाचा नेहरू
का चूड़ी दार
पैजामा

Class - 6th



Topic - कोलाज़ बनाना

S.N. - 12

मिशन शिक्षण संवाद

बच्चों आज हम एक कोलाज़ बनाना सीखेंगे चाचा नेहरू के बारे में जानने के लिए।

शनिवार गतिविधि

जिस तरह से हम कोई पेंटिंग बनाते है उसी तरह से हम कोलाज़ भी बनाते है आओ सीखे,

1.. सबसे पहले हम तस्वीरें इकट्ठा करेंगे या हाथ से बना लें जिस विषय का हमें कोलाज़ बनाना है उससे संबंधित तस्वीर.

फिर हम सारी तस्वीर की कटिंग करेंगे।



मोती लाल नेहरू
पिता



अपनी माँ स्वरूप रानी
के साथ जवाहर लाल
नेहरू

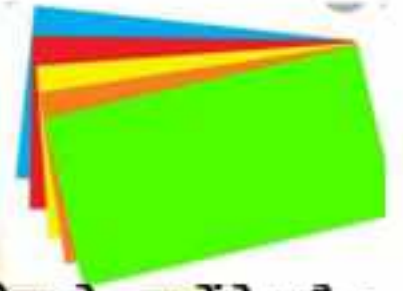


Anand Bhavan (Allahabad) - 2..



कैंची

चार्ट paper



2. फिर हम एक चार्ट पेपर लेंगे या कोई रंगीन पेपर लेंगे और उसे अपनी मर्जी के अनुसार काट लेंगे जितने साइज का हमें कोलाज़ बनाना है।

3. और सबसे अंत में हम सारी फोटोज को चार्ट पर गोंद से चिपका देंगे और फोटोज के निचे उनके नाम भी लिखेंगे और स्कूल या घर में हम इसे लगा सकते है क्यों बच्चों आया मज़ा।

तो बच्चों हम इसी बना कर देखेंगे हम किसी और का भी कोलाज़ बना सकते है इसी तरह से

उर्दू व्याकरण

اردو قواعد

1..वाहिद/एक वचन /singular/واحد.

2..जमा/बहुवचन/plural/جمع

پیارے بچو! آپ پڑھ چکے ہیں کہ کسی شخص، چیز یا جگہ کے نام کو اسم کہتے ہیں۔ اب ہم آج آپ کو بتائیں گے کہ واحد اور جمع کیا ہوتے ہیں۔

واحد۔ جو اسم صرف ایک کو ظاہر کرے وہ واحد اسم ہے۔ جسے کتاب، لڈکا، بطخ

جمع۔ جو اسم ایک سے زیادہ کو ظاہر کرے وہ جمع اسم ہے۔ جیسے کتابیں، لڑکے، بطخیں۔

آج ہم واہید(एकवचन) और जमा(बहुवचन) के बारे में जानेंगे।

वाहिद واحد:-

शब्द के जिस रूप से उसके एक होने का बोध हो, वह एक वचन (वाहिद) कहलाते है। जैसे, लड़का, किताब, बतख आदि।

जमा جمع:-

शब्द के जिस रूप से उसके एक से अधिक होने का बोध हो वह बहुवचन कहलाते है। जैसे - लड़के, किताबें, नदियाँ आदि।

गृह कार्य-बच्चों कोलाज़ बनाओ और वाहिद और जमा की परिभाषा को याद करो और कॉपी में लिखो।

कोलाज़ की सामग्री:-चार्ट,फोटोज, कैंची, गोंद कलर पेन।



मिशन शिक्षण संवाद

5 चाचा नेहरू का चूड़ी دار पाजामा



بچوں آج ہم چاچا نہرو سبق کا پانچواں بھاگ پڑھیں گے۔ جو شیروانیوں یا جامے کرتے دھل دھل کر پرانے ہو گئے تھے یا جن کا رنگ از گیا تھا، ان کو علاحدہ کرتے اور جن نے کیڑوں کی ضرورت نکلتی ان کی فہرست بنا کر چاچا نہرو کے سامنے پیش کرتے۔ چاچا نہرو یہ فہرست پڑھتے اور کہتے، چھ شیروانیاں؟ ارے چھ کی کیا ضرورت ہے دو۔ سے کام چل جائے گا۔

چند روز کے بعد ٹیلر ماسٹر صاحب شیروانیوں کو کچا سیکر ٹرائل کرانے آتے تو چاچا نہرو خاص طور سے وقت نکال کر ان سے فٹنگ کرواتے تھے۔ پنڑت جی کے کرتے یا جامے کھدڑ کے بی بوتے تھے اور شیروانی گرمی میں کھدڑ کی اور جائے میں کشمیری اونی کیڑے کی۔ لیکن ہر چیز کی طرح چاچا نہرو کیڑوں کے معاملے میں بھی نفاست پسند تھے۔ اور جامع زیب بھی تھے۔ ہر لباس خصوصاً شیروانی اور چوڑی دار پاجاما ان پر خوب جچتا تھا شیروانی نہ ڈھیلی ہوتی نہ تنگ۔ بالکل چست اور ایسی فٹ آتی کی ملتا تھا کہ بدن شیروانی میں ڈھل گیا ہے۔ یہ درزی کی کاریگری ہی نہیں تھی، چاچا نہرو کے چھریرے بدن کا کمال تھا۔ ان کا محبوب لباس چوڑی دار پاجاما اور شیروانی ان کے کسرتی، گٹھے ہوئے سڈول جسم اور ان کی دلفریب شخصیت کا ایک جز معلوم ہوتا تھا اور اپنی خاموش زبان سے اعلان کرتا تھا۔ میں ہندوستانی ہوں؛ میں ہندوستانی ہوں؛ میں ہندوستانی ہوں۔

چاچا نہرو کا چوڑی دار پاجاما

شब्द.. اर्थ

- 1.. فہرست.... لیست
2. پेश करना... دینا
3. خاموش.. چوپ رہنا
4. فبنا.. بہت اچھا لگانا

بچوں! آج چاچا نےہرو سبک کا آخری اور پانچواں ہسسا پڑھنے کے بعد سبک میں اپنے پٹا کی چاچا نےہرو کے کورٹے پائجامے دہلی کے ڈیلر ماسٹر ساہب سے لے کر ہر برس آتے اور جن کپڑوں کی ضرورت تھی چاچا نےہرو کو ان کی لیست بنا کر ان کے سامنے پیش کرتے اور چاچا نےہرو کہتے ارے بھئی شہرانی کی کیا ضرورت ہے دو سے کام چل جائے گا! اور جب چند روز بعد ڈیلر ماسٹر آتے تو چاچا نےہرو خاس تہر پر وقت نکال کر شہرانی پہن کر چیک کرتے۔

پंडित जी के कुर्ते पैजामे खददर के और शेरवानी भी गर्मी में खददर की और जाड़े में कश्मीरी ऊनी कपडे की होती लेकिन हर चीज़ की तरह चाचा नेहरू कपड़ों के मामले में भी नफ़ासत पसंद थे और जामाज़ेब भी थे, हर लिबास खुसूसन शेरवानी और चूड़ी دار पाजामा उन पर बहुत अच्छा लगता था, शेरवानी ना ढीली होती ना तंग, बिल्कुल चुस्त और ऐसी फिट आती की लगता था बदन शेरवानी में ढल गया है ये डेलर का कमाल ही नहीं था, चाचा नेहरू के छरेरे बदन का कमल था, उन का प्यारा लिबास चूड़ी دار पाजामा और शेरवानी उन के कसرتी, सुडौल जिस्म और उन की दिलफरेब शख्सियत का ही एक जुड़ा मालूम होता था और अपनी खामोश ज़बान से ऐलान करता था "मैं हिंदुस्तानी हूँ ! मैं हिंदुस्तानी हूँ ! मैं हिंदुस्तानी हूँ ! हिंदुस्तानी

पेज 10 के जवाब

1. उत्तर 1.. पंडित नेहरू को तक्रیر کرنے کے لیے لندن बुलाया गया।
2. उत्तर 2.. हाल में बैठी औरतों में इस लिए हल चल मच गई क्योंकि उन्होंने सोचा की हिंदुस्तान के वज़ीर आजम पतलून पहनना भूल गए हैं।
3. उत्तर 3. चाचा नेहरू के कुर्ते पैजामे दिल्ली के एक डेलर मاسटर साहब सीते थे।

अभ्यास कार्य

1. प्रश्न 1. पंडित नेहरू पर पाँच वाक्य लिखो?
2. प्रश्न 2. उन का लिबास अपनी खामोश ज़बान से क्या कहना चाहता था?

नोट पंडित नेहरू एक बहुत अच्छे लेखक भी थे और उन्होंने बहुत सी किताबें लिखीं "भारत एक खोज" उनकी प्रसिद्ध किताब है।

پیج 10 کے جواب

1. جواب 1.. پنڑت نہرو کو تقریر کرنے کے لئے لندن بلایا گیا۔
2. جواب 2.. عورتوں میں اس لئے ہلچل مچ گئی کیونکہ انہوں نے سمجھا کہ ہندوستان کے وزیراعظم بنا پتلون پہنے بی اسٹیج پر آ گئے ہیں۔
3. جواب 3. چاچا نہرو کے کرتے یا جامے دہلی کے ایک ٹیلر ماسٹر صاحب سے لے تھے۔

گھر کا کام... مشق

1. سوال 1. پنڑت نہرو پر پانچ جملے لکھو؟
2. سوال 2. ان کا لباس خاموش زبان سے کیا کہنا چاہتا تھا؟

नपुंसकलिङ्गम्एकवचनम्

ऐतत् किम्? यह क्या है?

ऐतत् पुष्पम्। यह फूल है।

ऐतत् पुष्पम् कीदृशम्। यह फूल कैसा है?

ऐतत् पुष्पम् सुन्दरम्। यह फूल सुंदर है।

द्विवचनम्

एते के? यह दो क्या हैं?

एते फले। यह दो फल हैं।

एते फले कीदृशे? यह दो फल कैसे हैं?

एते फले मधुरे। ये दोनों फल मीठे हैं।

बहुवचनम्

एतानि कानि? ये सब क्या हैं?

एतानि चित्राणि। ये सब चित्र हैं।

एतानि चित्राणि कीदृशानि?

ये सब चित्र कैसे हैं?

एतानि चित्राणि सुन्दराणि।

ये सब चित्र सुंदर हैं।

**शब्दार्थ****10**

शब्द	अर्थ
ऐतत्	यह
एते	ये दो
एतानि	ये सब
कानि	क्या
पुष्पम्	फूल
कीदृशे	कैसे
चित्राणि	बहुत से
चित्र	

अभ्यास प्रश्न

संस्कृत में वाक्य बनाइये

1. यह फल है।
2. यह दो फूल हैं
3. यह सब पत्ते हैं।
4. यह फल मीठा है।
5. यह सब फूल सुंदर है।

उत्तर अंक 9

मिलान कीजिये

सर्वनाम पद क्रिया पद

एषा = पठति

एषः = खेलति

एतौ = धावतः

ऐताः = गच्छन्ति

ऐतत् = पतति

एते = नमतः



विषय- संस्कृत
प्रकरण- पठ धातु

पाठ- धातु रूप कक्षा - 6
क्रमांक - 12



मिशन शिक्षण संवाद

एकवचन द्विवचन बहुवचन

प्रथम पुरुष	पठति	पठतः	पठत
मध्यम पुरुष	पठसि	पठथः	पठथ
उत्तम पुरुष	पठामि	पठावः	पठामः

1. धातु रूप तीन पुरुषों में लिखे जाते हैं प्रथम पुरुष, मध्यम पुरुष, और उत्तम पुरुष।
2. धातु रूप भी एक वचन, द्विवचन और बहुवचन तीनों वचनों में होते हैं।

● गतिविधि ●

एकवचन द्विवचन बहुवचन

प्रथम पु	 ति	तः	न्ति
मध्यम पु	सि	थः	 थ
उत्तम पु	आमि	आवः	आमः

👉 दी गयी गतिविधि में ...के स्थान पर भव, पिब, हस, धाव धातुओं को जोड़कर नए धातु रूप बनाइये।

👉 उत्तम पुरुष में 'अ' हटाकर धातु शब्द जोड़ें।

उत्तर 11

1. सात विभक्तियों में।
3. त्वत् युवाभ्याम् युष्मत्

9458278429



युष्मद् के रूप

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	त्वम्	युवाम्	यूयम्
द्वितीया	त्वाम्	युवाम्	युष्मान्
तृतीया	त्वाय	युवाभ्याम्	युस्माभिः
चतुर्थी	तुभ्यं	युवाभ्याम्	युष्मभ्यम्
पंचमी	त्वत्	युवाभ्याम्	युष्मत्
षष्ठी	तव	युवयोः	युष्माकम्
सप्तमी	त्वयि	युवयोः	युष्मासु

उत्तर अंक 10

1. एतत् फलं।
2. एते पुष्पे।
3. एतानि पत्राणि।
4. एतत् फलं मधुरं।
5. एतानि पुष्पाणि सुन्दराणि।

अभ्यास प्रश्न

1. युष्मद् शब्द के रूप कितनी विभक्तियों में हैं?
2. युष्मद् शब्द के रूप कंठस्थ करो।
3. युष्मद् के पंचमी विभक्ति के सभी रूप लिखो।

**मिशन शिक्षण संवाद****पाठ से**

1-नीचे कुछ वाक्य लिखे गए हैं इनसे संबंधित दोहों को उसी क्रम में लिखिए-

क- कोई भी कार्य समय पर ही होता है।

ख-अपने दुःखों को कहीं उजागर नहीं करना चाहिए।

ग-परोपकार करने वाले लोग प्रशंसनीय होते हैं।

घ-दूसरे लोगों में बुराई देखना ठीक नहीं।

उत्तर —

क- धीरे-धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय।

माली सींचे सौ घड़ा, ऋतु आए फल होय।

ख- रहिमन निज मन की व्यथा, मन ही राखो गोय।

सुनि अठिलैहें लोग सब, बांटी सके ना कोय।

ग- वे रहीम नर धन्य हैं, पर उपकारी अंग।

बांटनवारे को लगे, ज्यो मेंहदी को रंग।

घ-बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय।

जो दिल खोजा आपनो, मुझसे बुरा न कोय।

2-रहिमन पानी राखिये, बिन पानी सब सून।

पानी गए न ऊबरे, मोती, मानुष, चून।

उपरोक्त दोहे में पानी शब्द के तीन अर्थ हैं-

मोती के अर्थ में-चमक

मनुष्य के अर्थ में-प्रतिष्ठा

चून के अर्थ में-जल

एक ही शब्द के कई अर्थ होने से यहां पर

श्लेष अलंकार है।

कुछ करने को

1- बाल अखबार में हर बार एक नीति परक वाक्य लिखो और अपनी कक्षा में लगाइए-

2- शिक्षक की मदद से कक्षा में दो टोलियां बनाओ। एक टोली रहीम तथा दूसरी टोली कबीर के दोहे याद करने की जिम्मेदारी लें। और बाल सभा में इन कवियों की रचनाओं पर आधारित 'कवि दरबार'का आयोजन करें।

3- रेडियो, टेलीविजन तथा इंटरनेट के माध्यम से इन कवियों की रचनाओं को सुनकर गायन का अभ्यास करें।

उत्तरमाला क्रमांक-11

1- कोई हमारे दुख को दूर नहीं करता है पीठ पीछे हमारी हंसी उड़ाता है।

2-अब्दुरहीम खानखाना था।

3- वे लोग धन्य हैं जो परोपकारियों के साथ रहते हैं। उन्हें भी परोपकार का फल मिलता है।

गृह कार्य

1-पाठ में आए निम्नलिखित तद्धव शब्दों का तत्सम रूप लिखिए-

भसम, औषधी, सुभाय, सरीर, मानस, बिथा, सबद।

2- निम्नलिखित शब्दों के दो दो अर्थ लिखिए-
पट, दर, कर, जड़, गोली, सारंग।

इन्हें भी जाने — संस्कृत साहित्य में नीच वचनों की समृद्ध परंपरा रही है हिंदी में कबीर, रहीम के अतिरिक्त गोस्वामी तुलसीदास ने भी नीति परक दोहो की रचना की है। तुलसी दास के नीति परक दोहो को भी पढ़ें और समझें।



रहीम जी के नीति मूलक दोहों में जीवन मूल्यों का सरस वर्णन किया गया है।

रहीम के दोहे

- 1-वे रहीम नर धन्य हैं, पर उपकारी अंग।
बाटन वारे को लगे, ज्यों मेहंदी को रंग॥
- 2- रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून।
पानी गए न ऊबरे, मोती मानुष चून॥
- 3- रहिमन निज मन की बिथा, मन ही राखो गोय।
सुनि अठिलैहें लोग सब, बांटे न लैहें कोय॥
- 4- जो बड़ैन को लघु कहें, नहिं रहीम घटि जाँहि।
गिरिधर मुरलीधर कहे, कछु दुःख मानत नाहिं॥
- 5- समय लाभ सम लाभ नहिं, समय चूक सम चूक।
चतुरन चित रहिमन लगी, समय चूक की हूक॥

उत्तरमाला क्रमांक -10

- 1- समय से पहले कोई काम नहीं होता समय आने पर ही काम होता है।
- 2- जिस प्रकार शुभ अनाज की गंदगी को उड़ा देता है।
- 3- 'साखी', 'सबद', 'रामैनी'।
- 4- हमें असहाय और दुर्बल व्यक्तियों को नहीं सताना चाहिए।

शब्दार्थ

थोथा = अनुपयोगी - बिथा = दुःख
गोय = छिपाना - हूक = कसक
बाटन वारे = सिलबट्टे पर पीसने वाला
परोपकार = उपकार

1 - वे रहीम-----को रंग
संदर्भ- प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक 'मंजरी' के 'नीति के दोहे' नामक पाठ से लिया गया है। इसके रचयिता रहीम दास जी हैं।
व्याख्या- रहीम जी कहते हैं कि वे लोग धन्य हैं जो परोपकारियों के साथ रहते हैं। उन्हें भी परोपकार का फल मिलता है। जिस तरह मेहंदी पीसने वाले के हाथ भी लाल हो जाते हैं।

2 - रहिमन पानी-----मानुस चून।
व्याख्या-रहीम जी कहते हैं कि हमें पानी बचा कर रखना चाहिए क्योंकि बिना पानी के सब कुछ सुना होता है। जिस प्रकार मनुष्य, मोती और चून बिना पानी के बेकार हो जाते हैं। जैसे मनुष्य का पानी (प्रतिष्ठा) के बिना मोती का पानी (चमक) के बिना और चून(आटा) बिना पानी के महत्व हीन हो जाते हैं।

3 - रहिमन-----कोय

व्याख्या-रहीम जी कहते हैं कि मनुष्य को अपने दुखों को मन में ही रखना चाहिए, किसी और को नहीं बताना चाहिए। लोग हमारे दुखों को दूर तो नहीं करेंगे, बल्कि पीठ पीछे हमारी हँसी अवश्य उड़ाएंगे।

4 - जो बड़ैन-----नाहिं।

व्याख्या- रहीम जी कहते हैं कि अगर कोई योग्य व्यक्ति की बुराई करता है तो वह अपनी हीनता को ही प्रदर्शित करता है। क्योंकि जो वास्तव में अच्छा है वह किसी के कहने भर से बुरा नहीं हो जाएगा। अतः हमें किसी की बुराई नहीं करनी चाहिए।

5 - समय-----हूक।

व्याख्या-रहीम जी कहते हैं कि हमें समय के महत्व को समझना चाहिए जो मनुष्य समय के महत्व को नहीं समझता वह समय निकल जाने पर पछताता है और दुखी होता है तथा सोचता है कि काश हमने समय के महत्व को पहचाना होता।



जीवन परिचय-रहीम जी का जन्म सन् 15 56 ई०के लगभग हुआ था। इनका पूरा नाम अब्दुरहीम खानखाना था। अकबर के दरबार के नवरत्नों में इन्हें स्थान प्राप्त था। ये अरबी, फारसी तथा संस्कृत भाषा के विद्वान थे। इनकी प्रमुख पुस्तकें हैं- 'रहीम सतसई', 'रास पंचाध्यायी'। इनकी मृत्यु सन् 1626 ई०में हुई।

अभ्यास प्रश्न

- 1- अपने मन की व्यथा को मन में ही क्यों रखना चाहिए?
- 2- रहीम जी का पूरा नाम क्या था?
- 3- किस प्रकार के लोगों को धन्य कहा गया है?

9458278429



मिशन शिक्षण संवाद

(कबीर और रहीम के दोहों में आचार- विचार संबंधी जीवन-मूल्यों का वर्णन है।)

कबीर दास के दोहे

दुर्बल को न सताइए, जाकी मोटी हाय।
मुई खाल की श्वास सो, सार भसम है जाए॥
मधुर वचन है औषधी, कटुक बचन है तीर।
स्रवन द्वार है संचरे, सालै सकल सरीर॥
बुरा जो देखन में चला, बुरा न मिलिया कोय।
जो दिल खोजा आपनो, मुझसे बुरा न कोय॥
साधु ऐसा चाहिए, जैसा सूप सुभाय।
सार-सार को गहि रहै, थोथा देई उडाय॥
धीरे-धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय।
माली सींचे सौ घड़ा ऋतु आए फल होय॥

शब्दार्थ-

औषधि= दवा

कटुक= कड़वा

सालै= बेधता है।

सार= उपयोगी

सुभाय= व्यवहार

अभ्यास प्रश्न-

प्र०1- माली के द्वारा लगातार पेड़ों को सींचने पर भी फल क्यों नहीं आते हैं?

प्र०2- हमें बुराई को किस तरह से उड़ा देना चाहिए?

प्र०3- कबीर दास की प्रमुख रचनाएं कौन-कौन सी हैं?

प्र०4- हमें किस प्रकार के व्यक्ति को नहीं सताना चाहिए?

व्याख्या-

दुर्बल को न-----है जाय॥

संदर्भ-प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक 'मंजरी' के "नीति के दोहे" नामक पाठ से लिया गया है। यह दोहा महान संत कबीर दास जी द्वारा रचित है।

व्याख्या- कबीरदास जी कहते हैं कि असहाय, निर्बल व्यक्तियों को दुख नहीं देना चाहिए; क्योंकि उसकी हाय बहुत बुरी होती है। यदि मरी खाल की धोंकनी से लोहा गल सकता है, तो जीवित व्यक्ति की आह से क्या नहीं हो सकता।

मधुर वचन-----सकल सरीर॥

व्याख्या- कबीरदास जी कहते हैं नीति वचन दवाई के समान प्राण रक्षक होते हैं; जब कि तीखे वचन तीर के समान होते हैं और कानों से होते हुए सारे शरीर को छेद डालते हैं। आशय यह है कि मीठी वाणी बोलनी चाहिए।

बुरा जो-----न कोय॥

व्याख्या- कबीर जी कहते हैं कि मैं दूसरे लोगों में बुराई देखने चला; परंतु मुझे कोई बुरा आदमी नहीं मिल सका। जब मैंने अपने दिल में झांक कर देखा; तब मुझे पता चला कि मैं सबसे बुरा हूँ; क्योंकि मुझ में अनेक अवगुण हैं। आशय यह है कि दूसरों की बुराई देखना ठीक नहीं। अपने दोषों को देखकर उन्हें दूर करना चाहिए।

साधु ऐसा-----उडाय॥

व्याख्या- कबीर जी कहते हैं कि संसार में अच्छाई और बुराई दोनों विद्यमान हैं लेकिन मनुष्य को चाहिए कि वह सिर्फ अच्छाई को ही ग्रहण करें और बुराई पर ध्यान ना दें। जैसे सूप द्वारा जब अनाज को साफ किया जाता है तो सारी गंदगी बाहर निकल जाती है। और सिर्फ अच्छा अनाज बच जाता है। अतः सूप से सीख लेनी चाहिए।

धीर-धीरे-----फल होय॥

व्याख्या- कबीरदास जी कहते हैं कि किसी भी कार्य के नतीजे के लिए हमें धैर्य रखना चाहिए। क्योंकि संसार में हर काम समय पर ही होता है; जैसे माली पेड़ को साल भर सींचता है लेकिन फल ऋतु आने पर ही लगते हैं हमें अर्थात् हमें किसी भी काम के प्रतिफल के लिए इंतजार करना चाहिए, धैर्य रखना चाहिए।



जीवन परिचय-कबीर दास जी का जन्म काशी में सन् 1398 ई० के लगभग हुआ था। भक्तिकाल के निर्गुण धारा के संत कवियों में कबीर दास का विशिष्ट स्थान है। रामानंद कबीर के गुरु माने जाते हैं। उन्होंने भक्त विषयक रचनाओं के साथ ही समाज सुधार की कविताएं भी लिखी। इनकी रचनाओं का संग्रह 'बीजक' है। इसके तीन भाग हैं 'साखी', 'सबद', 'रमैनी' कबीर जी की मृत्यु सन् 1518 ई० के लगभग मगहर में हुई थी।

**मिशन शिक्षण संवाद**

उद्देश्य - $a \times (b \times c) = (a \times b) + (a \times c)$ अर्थात गुणन संक्रिया का योग पर वितरण प्रगुण को जानना।

आवश्यक सामग्री :- वर्गाकार कागज, स्केज पेन, कागज, ज्योमेट्री बॉक्स, कैची इत्यादि।

विधि :- 1. 10×8 वर्गाकार खानों को वर्गाकार कागज से काटकर अलग करके फिर इसे लाल स्केज पेन से रंगेंगे। Fig. (i)

2. 10×6 वर्गाकार खानों को वर्गाकार कागज से काटकर अलग करके फिर इसे हरे स्केज पेन से रंगेंगे। Fig. (ii). (a)

3. 10×2 वर्गाकार खानों को वर्गाकार कागज से काटकर अलग करके फिर इसे नीली स्केज पेन से रंगेंगे। Fig. (ii). (b)

अवलोकन तथा गणना :-

1. Fig. (i) में वर्ग की संख्या = 80

2. Fig. (ii). (a) में वर्ग की संख्या = 60

3. Fig. (ii). (b) में वर्ग की संख्या = 20

अतः हम देखते हैं कि,

Fig. (i) में वर्ग की संख्या = Fig. (ii). (a) में वर्ग की संख्या + Fig. (ii). (b) में वर्ग की संख्या

$$80 = 60 + 20$$

$$10 \times 8 = 10 \times 6 + 10 \times 2$$

$$10 \times (6 + 2) = 10 \times 6 + 10 \times 2$$

परिणाम :- अतः $a \times (b \times c) = (a \times b) + (a \times c)$ अर्थात गुणन संक्रिया का योग पर वितरण प्रगुण सिद्ध है।

उत्तर क्रमांक 11

1. विधार्थी स्वयं जाँचें 2. विधार्थी स्वयं जाँचें 3. विधार्थी स्वयं जाँचें

4. 1 5. 83, 89

**मिशन शिक्षण संवाद**

(V) गुणन का साहचर्य प्रगुण :- किन्हीं तीन पूर्ण संख्याओं के लिए,
पहली संख्या $\times$ (दूसरी संख्या $\times$ तीसरी संख्या)
= (पहली संख्या $\times$ दूसरी संख्या) $\times$ तीसरी संख्या
Example - 5, 8, और 9

$$5 \times (8 \times 9) = (5 \times 8) \times 9$$

$$5 \times 72 = 40 \times 9$$

$$360 = 360$$

$$\text{LHS} = \text{RHS}$$

अतः किन्हीं तीन पूर्ण संख्याओं के सतत गुणन संक्रिया में संख्याओं के क्रम को परिवर्तित करने पर गुणनफल अपरिवर्तित रहता है। अतः गुणन की संक्रिया पूर्ण संख्याओं में साहचर्य है।

(VI) गुणन संक्रिया का योग का वितरण :-
किन्हीं तीन पूर्ण संख्याओं के लिए,
पहली संख्या $\times$ (दूसरी संख्या + तीसरी संख्या) =
(पहली संख्या $\times$ दूसरी संख्या) + (पहली संख्या $\times$ तीसरी संख्या)

$$\text{Example - } 5 \times (7 + 9) = 5 \times 7 + 5 \times 9$$

$$5 \times (16) = 35 + 45$$

$$80 = 80$$

$$\text{LHS} = \text{RHS}$$

इसे गुणन संक्रिया का योग पर वितरण नियम कहते हैं।

(VII) गुणन का घटाने पर वितरण :- किन्हीं तीन पूर्ण संख्याओं के लिए,
पहली संख्या $\times$ (दूसरी संख्या - तीसरी संख्या)
= पहली संख्या $\times$ दूसरी संख्या - पहली संख्या $\times$ तीसरी संख्या

$$\text{Example - } 4 \times (8 - 5) = 4 \times 8 - 4 \times 5$$

$$4 \times 3 = 32 - 20$$

$$12 = 12$$

$$\text{LHS} = \text{RHS}$$

अतः गुणन का घटाने पर वितरण नियम लागू है।

पूर्ण संख्याओं में भाग की संक्रिया :- (I) भाग की संक्रिया पूर्ण संख्याओं के लिए संवरक नहीं है। Example - $5/0 = ?$ परिभाषित नहीं।

(II) किसी पूर्ण संख्या में शून्य से भाग परिभाषित नहीं है।

$$\text{Example - } 8/0 = ?$$

(III) किसी पूर्ण संख्या में '1' से भाग देने पर भागफल सदैव वही संख्या प्राप्त होती है।

$$\text{Example - } 9 \div 1 = 9$$

(IV) किसी शून्येत्तर पूर्ण संख्या में उसी पूर्ण संख्या से भाग देने पर भागफल सदैव 1 आता है।

$$\text{Example - } 9 \div 9 = 1$$

अभ्यास कार्य

(1). पूर्ण संख्याएँ 6, 9 और 11 लेकर गुणा के साहचर्य नियम की पुष्टि कीजिए।

(2). $9 \times (8 + 4) = (9 \times 8) + (9 \times 4)$ की सत्यता का परीक्षण कीजिए।

(3). $6 \times (10 - 7) = (6 \times 10) - (6 \times 7)$ की सत्यता का परीक्षण कीजिए।

(4). वह संख्या बताइए, जिसमें उसी से संख्या से भाग देने पर भागफल वही संख्या प्राप्त हो।

(5). 80 और 90 के बीच के सभी अभाज्य संख्या लिखिए।

उत्तर क्रमांक - 10

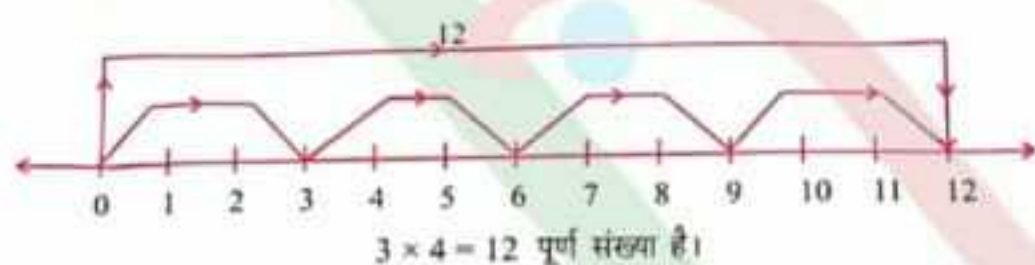
(1). (I) 0 (II) 9 (III) 56 (IV) 9

(2) विधार्थी स्वयं करके जाँचें।

(3). (I) 1 (II) 0

**मिशन शिक्षण संवाद****पूर्ण संख्याओं में गुणा के प्रगुण :-**

(I) गुणन का संवरक प्रगुण :- पूर्ण संख्याओं के युग्म जैसे (0, 8), (5, 3) और (6, 5) युग्म की संख्याओं को परस्पर गुणा करने पर,
 $0 \times 8 = 0$; $5 \times 3 = 15$; $6 \times 5 = 30$
 यहाँ सभी गुणनफल एक पूर्ण संख्या है। संख्या रेखा के अनुसार,



अतः पूर्ण संख्याओं का गुणनफल सदैव पूर्ण संख्या होता है। यही गुणन संक्रिया का संवरक प्रगुण है।

(II) गुणा का क्रम-विनिमेय प्रगुण :-

पूर्ण संख्याओं के युग्म (3, 5), (5, 7) और (9, 13) के संख्याओं के क्रम बदलकर गुणा करने पर,

$$3 \times 5 = 15; \quad 5 \times 3 = 15$$

$$5 \times 7 = 35; \quad 7 \times 5 = 35$$

$$9 \times 13 = 117; \quad 13 \times 9 = 117$$

यहाँ देखते हैं कि क्रम को बदल देने पर भी गुणनफल समान होता है।

अतः पूर्ण संख्या युग्म में उनके क्रम को बदल देने पर भी गुणनफल समान होता है। इसे गुणन संक्रिया का क्रम-विनिमेय प्रगुण कहते हैं।

(III) शून्य का गुणन प्रगुण :-

निम्न को देखेंगे- $0 \times 0 = 0$;

$$0 \times 2 = 0; \quad 2 \times 0 = 0$$

$$3 \times 0 = 0; \quad 0 \times 3 = 0$$

अतः किसी पूर्ण संख्या और शून्य का गुणनफल सदैव "शून्य" होता है।

(IV) गुणन का तत्समक अवयव :-

निम्न को देखेंगे- $1 \times 0 = 0$;

$$1 \times 1 = 1; \quad 1 \times 2 = 2; \quad 1 \times 3 = 3$$

किसी पूर्ण संख्या और '1' का गुणनफल वही संख्या आती है अतः '1' को गुणन का तत्समक अवयव कहते हैं।

अभ्यास कार्य

प्रश्न 1. निम्नलिखित में गुणन-संक्रिया के प्रगुणों के आधार पर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

$$(I) 6 \times 0 = [] \quad (II) 9 \times 8 = 8 \times []$$

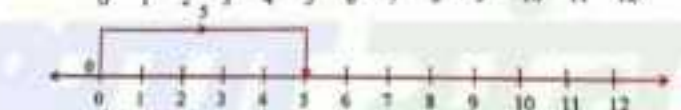
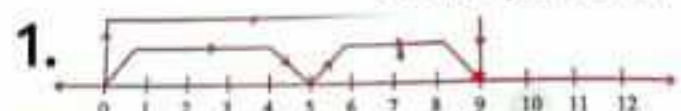
$$(III) 56 \times 1 = [] \quad (IV) 7 \times [] = 9 \times 7$$

प्रश्न 2. संख्या रेखा की सहायता से $5 \times 2 = 10$ को दिखाइए।

प्रश्न 3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(I) को गुणन का तत्समक अवयव कहते हैं।

(II) किसी पूर्ण संख्या और शून्य का गुणनफल सदैव होता है।

उत्तर क्रमांक 9

$$2. (i) 789 \quad (ii) 2889 \quad (iii) 234;$$

$$3. (i) 4 + 5 = 9 \quad (ii) 5 + 6 = 11$$

**मिशन शिक्षण संवाद****घर की स्वच्छता की आवश्यकता**

आप स्वयं सोचिये, दो दोस्त राज एवं रमा के घर तथा उनके आस-पास का वातावरण बताया गया है-

राज का घर

घर में सफ़ाई कभी-कभी होती है।

सफ़ाई का कूड़ा घर के सामने डाला जाता है।

कमरों में मकड़ी के जाले लगे हैं तथा बिस्तर में धूल जमी है तथा आसपास में सफ़ाई की कमी से मक्खियाँ तथा मच्छर निवास कर रहे हैं।

घर की सभी वस्तुएँ अव्यवस्थित हैं।

घर में शौचालय का न होना।

रमा का घर

घर में प्रतिदिन सफ़ाई की जाती है।

कचरा कूड़ादान में फेंका जाता है।

घर तथा आस-पास को प्रतिदिन साफ किया जाता है।

घर की प्रत्येक सामग्री साफ तथा व्यवस्थित है।

घर में स्वच्छ शौचालय एवं उसका प्रयोग किया जाता है।

**अभ्यास कार्य**

1. रमा और राज के घर में क्या अंतर है?
2. घर की सफ़ाई से क्या लाभ है?
3. घर की सफ़ाई कितने दिन में करना चाहिए?
4. रमा और राज में से किसका घर स्वच्छता और स्वास्थ्य के लिए उपयुक्त है?
5. कचरे को कहा फेंकना चाहिए?

उत्तर माला क्रमांक स.7

1. सफ़ाई का अर्थ गंदगी को दूर करना तथा प्रत्येक वस्तु को साफ, कीटाणु रहित तथा व्यवस्थित रखना है।
2. घर की स्वच्छता से तात्पर्य है कि घर में किसी प्रकार की गंदगी एवं कीटाणु न हो। घर की प्रत्येक वस्तु साफ तथा व्यवस्थित हो।
3. घर तथा आसपास गंदगी है जो रोग फैलाने वाले कीटाणुओं को उत्पन्न करने में सहायक है। ये कीटाणु घर में खाने-पीने की सामग्री तथा अन्य वस्तुओं पर भी बैठते हैं, जिससे स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है।
4. व्यक्तिगत स्वच्छता ही महत्वपूर्ण नहीं है क्योंकि अगर हमारे आस पास गंदगी होगी तो हम बीमारियों से घिरे रहेंगे।
5. आसपास की सफ़ाई होने के कारण घर में धूल तथा गंदगी नहीं है। घर स्वच्छ होने पर मक्खी तथा रोग फैलाने वाले कीटाणु घर में प्रवेश नहीं करते हैं क्योंकि मक्खियाँ तथा कीटाणु गंदे स्थानों में वृद्धि करते हैं।



आपके अनुसार किसका घर स्वच्छ है ? और क्यों ? आपने देखा कि राज के घर तथा आसपास गंदगी है जो रोग फैलाने वाले कीटाणुओं को उत्पन्न करने में सहायक है। ये कीटाणु घर में खाने-पीने की सामग्री तथा अन्य वस्तुओं पर भी बैठते हैं, जिससे स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। रमा के घर तथा आसपास की सफ़ाई होने के कारण घर में धूल तथा गंदगी नहीं है। घर स्वच्छ होने पर मक्खी तथा रोग फैलाने वाले कीटाणु घर में प्रवेश नहीं करते हैं क्योंकि मक्खियाँ तथा कीटाणु गंदे स्थानों में वृद्धि करते हैं।

**मिशन शिक्षण संवाद**

आइए जानें-

‘विश्व शौचालय दिवस’ 19 नवम्बर को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य वातावरण को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाना है।

पॉलिथीन का प्रयोग स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। ये जमीन के अंदर गल नहीं पाती एवं मिट्टी की उपजाऊ क्षमता को कम कर देती है।

उत्तर माला क्रमांक स.6

1. पहली फ़ोटो में बच्चे साफ-सुथरे और स्वस्थ दिख रहे हैं।
2. पहली फ़ोटो के बच्चे देखने में अच्छे लग रहे हैं।
3. स्वच्छता का हमारे दैनिक जीवन में विशेष महत्व है। इसके अभाव में घर तथा आसपास का वातावरण दूषित होता है। स्वस्थ रहने के लिए हमें अपनी व्यक्तिगत स्वच्छता, रहने के स्थान तथा आसपास को स्वच्छ रखना बहुत ही आवश्यक है।
4. हमें अच्छे स्वास्थ्य के लिए घर तथा आसपास की सफाई व स्वच्छता पर ध्यान देना बहुत ही आवश्यक है।
5. व्यक्तिगत स्वच्छता जैसे- प्रतिदिन नहाना, कपड़े धोना, साफ-सुथरे कपड़े पहनना आदि हैं।

स्वच्छता का हमारे दैनिक जीवन में विशेष महत्व है। इसके अभाव में घर तथा आसपास का वातावरण दूषित होता है। स्वस्थ रहने के लिए हमें अपनी व्यक्तिगत स्वच्छता, रहने के स्थान तथा आसपास को स्वच्छ रखना बहुत ही आवश्यक है। कुछ लोग अपनी व्यक्तिगत स्वच्छता जैसे- प्रतिदिन नहाना, कपड़े धोना, साफ-सुथरे कपड़े पहनना आदि पर पर्याप्त ध्यान देते हैं परंतु अपने घर तथा आसपास की सफाई पर ध्यान नहीं देते हैं। सफाई पर ध्यान न देने से विभिन्न प्रकार के कीटाणुओं की वृद्धि होती है। ये कीटाणु विभिन्न प्रकार के रोग पैदा कर देते हैं। अतः हमें अच्छे स्वास्थ्य के लिए घर तथा आसपास की सफाई व स्वच्छता पर ध्यान देना बहुत ही आवश्यक है।

घर की स्वच्छता से तात्पर्य है कि घर में किसी प्रकार की गंदगी एवं कीटाणु न हो। घर की प्रत्येक वस्तु साफ तथा व्यवस्थित हो। इस प्रकार स्वच्छता घर की सुंदर करना तथा प्रत्येक वस्तु को साफ, कीटाणु रहित तथा व्यवस्थित रखना है।

अभ्यास कार्य

1. सफाई का अर्थ क्या है?
2. घर की स्वच्छता से क्या तात्पर्य है?
3. घर के आसपास की स्वच्छता क्यों महत्वपूर्ण है?
4. क्या केवल व्यक्तिगत स्वच्छता ही महत्वपूर्ण है?
5. आसपास का वातावरण कैसे प्रदूषित होता है?

9458278429

**मिशन शिक्षण संवाद**

बच्चों दोनों फोटो को ध्यान से देखो फोटो में क्या अंतर दिखाई दे रहा है सही पहचाना बाएं तरफ की फोटो में बच्चे साफ-सुथरे होकर विद्यालय जा रहे हैं और दूसरी फोटो में यह लड़की मिट्टी लगाए हुई गंदी सी लग रही है हमारी आंखों को भी साफ सुंदर और अच्छी चीजें देखकर अच्छा लगता है हम सब को सफाई से रहना चाहिए और गंदगी से दूर रहना चाहिए। गंदगी से रहने पर अनेकों बीमारियां होती हैं। हम सब को रोज़ शौच के बाद, भोजन के पहले और भोजन के बाद साबुन से हाथ धोना चाहिए। रोज़ सुबह मंजन करना चाहिए। नियमित स्नान करना चाहिए।



स्वच्छता का हमारे दैनिक जीवन में विशेष महत्व है। इसके अभाव में घर तथा आसपास का वातावरण दूषित होता है। स्वस्थ रहने के लिए हमें अपनी व्यक्तिगत स्वच्छता, रहने के स्थान तथा आसपास को स्वच्छ रखना बहुत ही आवश्यक है। कुछ लोग अपनी व्यक्तिगत स्वच्छता जैसे- प्रतिदिन नहाना, कपड़े धोना, साफ-सुथरे कपड़े पहनना आदि पर पर्याप्त ध्यान देते हैं परंतु अपने घर तथा आसपास की सफाई पर ध्यान नहीं देते हैं। सफाई पर ध्यान न देने से विभिन्न प्रकार के कीटाणुओं की वृद्धि होती है। ये कीटाणु विभिन्न प्रकार के रोग पैदा कर देते हैं। अतः हमें अच्छे स्वास्थ्य के लिए घर तथा आसपास की सफाई व स्वच्छता पर ध्यान देना बहुत ही आवश्यक है।

उत्तर माला क्रमांक स.5

1. 'स्वस्थ' शब्द 'सु' और 'अस्थ' को मिलाकर बना है। 'सु' का अर्थ है 'सुन्दर' अथवा अच्छी एवं अस्थ का अर्थ है स्थिति। इस प्रकार जब किसी का शरीर निरोग व आकर्षक स्थिति में हो तो उसे स्वस्थ कहते हैं जबकि पूर्णतः विकार रहित अच्छी शारीरिक स्थिति ही स्वास्थ्य है।
2. सुबह जागने से लेकर रात को सोने तक के अपने कामों की सूची बनाएँ और प्रत्येक कार्य का एक समय सुनिश्चित करें। जैसे- प्रातः उठना, शौचादि से निवृत्त होना, व्यायाम, स्नान, नाश्ता, स्कूल जाना, खेलना..... वगैरह। यही दैनिक दिनचर्या हैं।
3. अनियमित रहन-सहन, खान-पान, सोना-जागना को हम अनियमित दिनचर्या कहते हैं।
4. नियमित दिनचर्या से हम शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ रहते हैं।
5. अनियमित दिनचर्या से हमेशा सुस्ती एवं आलस्य का अनुभव होता है। अनेकों बीमारियां होती हैं।
6. स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है।

अभ्यास कार्य

1. दोनों फ़ोटो में क्या अंतर हैं?
2. तुमको किस फ़ोटो के बच्चे देखने में अच्छे लग रहे हैं?
3. स्वच्छता क्या है?
4. स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छता क्यों आवश्यक है?
5. व्यक्तिगत स्वच्छता क्या होती है?



Adjective

Definition-

A word that tells you more about a noun

संज्ञा की विशेषता बताने वाला शब्द; विशेषण

An example is given below.

I saw a pretty girl at the railway station.

The adjective pretty modifies the noun girl

Language practice

Underline the adjective in the given sentence-

- a. I love white cats .
- b. Do you have a pink sketch pen?
- c. I read an interesting book.
- d. Manu collected tiny stones.
- e. A heavy box is on the table .
- f. Tinu has six toffees.
- g. My mother cooked delicious lunch.

Answers of sheet 11

a. The trick I like the most was when the magician made the coin disappear and it turned out to be back in Krishna's pocket .

- 2.a-Magician
- b-Colourful



Topic - The magic show

मिशन शिक्षण संवाद

Karishma : Where is my coin?

Magician : (laughing) Which coin?

Karishma : The one which I gave you.

Magician : No, you have not given me any coin. Check it in your pocket.

(To her surprise, she finds the coin in her pocket. Everybody clap. One after the other the magician showed many tricks. The people were spellbound.)

Karishma : Granny, how nicely he does it !

Granny : Yes, that is why he is a magician.



अनुवाद

करिश्मा : मेरा सिक्का कहाँ है?

जादूगर : (हंसते हुए) कौन सा सिक्का?

करिश्मा : वह जो मैंने आपको दिया था।

जादूगर : नहीं, तुमने मुझे कोई सिक्का नहीं दिया। अपनी जेब में देखो।

(आश्चर्य के साथ उसे सिक्का अपनी जेब में मिल गया) प्रत्येक व्यक्ति ने तालियां बजाई। एक के बाद एक जादूगर ने बहुत तरह के जादू दिखाए। लोग मंत्रमुग्ध थे।)

करिश्मा : दादी, कितने अच्छे से वह सब करता है।

दादी : हां, इसीलिए तो वह एक जादूगर है।

Word – meaning

Coin- सिक्का

Pocket- जेब

Surprise- आश्चर्य

Tricks- तरकीब

Spellbound-मंत्र मुग्ध

Homework

1. Which trick did you like the most and why?
2. Fill in the blanks
 - a. There was a _____ in my friends birthday party.
 - b. There are many _____ flowers in the garden.

Answers of sheet.10

1. Red, pink, green, yellow, orange coloured strain ribbon and petals of different flower came out of the empty magic box.
2. The magician called Karishma to the stage.



Topic - The magic show

मिशन शिक्षण संवाद

(The magician shows an empty magic box to the audience and spells something. Red,pink,green, yellow,orange coloured satin ribbons, and petals of different flowers start coming out of it)

Karishma : How wonderful it is!

Granny : yes it is.

(The magician calls Karishma to the stage and take a ten rupees coin from her. He closed his hand and chants something the coin disappears.)

अनुवाद

(जादूगर ने एक खाली जादू का बक्सा दर्शकों को दिखाया और कुछ जादू किया। लाल, गुलाबी, हरे, पीले, नारंगी रंग के साटन के रिबन और और अलग अलग फूलों की पंखुड़ियां बाहर निकलना प्रारंभ हो गई।)

करिश्मा : यह कितना अद्भुत है

दादी : हां है ।

(जादूगर ने करिश्मा को मंच पर बुलाया और एक ₹10 का सिक्का उससे लिया। उसने अपने हाथ बंद कर लिए और कुछ मंत्र कहा [सिक्का गायब हो गया।])



Word-Meaning

Empty – खाली

Audience – दर्शक

Spell – मंत्र बोलना/ जादू

Wonderful – अद्भुत

Petals – फूल की पंखुड़ियां

Chants – मंत्र

Disappears – गायब होना

Answers of worksheet 09:-

1-spellbound

2-village

Homework

1 – What came out of the empty magic box?

2 – Who did the magician call to the stage?

**मिशन शिक्षण संवाद****शनिवार स्पेशल****■ Day of Practical, प्रैक्टिकल का दिन ■ ♦ प्रयोग- कौन-से अणु है, आगे? ♦**

इस प्रयोग के जरिये आप जान सकते हैं कि क्या वाकई गरम पानी के अणु, ठण्डे पानी के अणुओं की तुलना में तेज चलते हैं? पानी और रंग की मदद से जानिए यह तथ्य।

आवश्यक सामग्री:

गरम पानी से भरा काँच का गिलास, ठण्डे पानी से भरा काँच का गिलास, खाद्य-रंग, ड्रॉपर।

प्रयोग की विधि:

1. दोनों गिलासों में बराबर मात्रा में गरम और ठण्डा पानी भरिए।
2. दोनों गिलासों में खाद्य-रंग की एक-एक बूंद तुरन्त डालिए और देखिए क्या होता है।

अवलोकन:

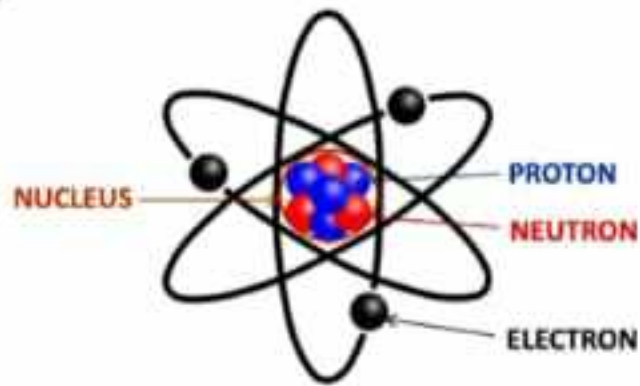
अगर आप ध्यान से देखें, तो आप जान पायेंगे कि ठण्डे पानी की तुलना में गरम पानी में रंग ज्यादा जल्दी फैलता है। गरम पानी के अणु ज्यादा तेजी से चलते हैं और इस वजह से ठण्डे पानी की तुलना में रंग को ज्यादा जल्दी फैलाते हैं।

**■ प्रोजेक्ट कार्य ■**

1. परिवेश के कुछ पदार्थों को एकत्र करें। उन्हें पानी में घोल कर देखें और उनसे पानी में घुलनशील एवं अघुलनशील पदार्थों की पहचान कीजिए।
2. पानी में न घुलने वाले पदार्थों को अन्य द्रवों जैसे - मिट्टी का तेल, पेट्रोल आदि में भी घोल कर देखें और अपने प्रेक्षण को नोट करिए।
3. अपने कपड़े पर लगे चिकनाई, स्याही तथा चाय के धब्बों को साफ करने में पेट्रोल अथवा मिट्टी का तेल उपयोग करके देखिए। क्या होता है ? अपने अनुभवों को नोट करिये।

♦ उत्तरमाला ♦**(क्रमांक-11)**

- 1) परमाणु
- 2) अणु
- 3) एक समान
- 4) भिन्न-भिन्न तत्वों के
- 5) परमाणु

**मिशन शिक्षण संवाद**

◆ पदार्थों के निर्माण की मौलिक इकाई ◆
(अणु एवं परमाणु का संक्षिप्त परिचय)



चॉक अथवा कोयले का बड़ा टुकड़ा लीजिए। इसे पीटकर टुकड़ों में विभाजित कर लें। इसके हर टुकड़े में उस पदार्थ के गुण विद्यमान हैं। अब इसे इतना अधिक पीसें कि यह पाउडर के रूप में आ जाय। अब इस पाउडर को किसी महीन कपड़े से छान लें, छानने पर बहुत महीन कण प्राप्त होते हैं अर्थात् छोटे कण भी अनेक अत्यधिक छोटे कणों से मिलकर बने हैं। हम इसी प्रकार के और अति सूक्ष्म कणों की कल्पना कर सकते हैं। इस क्रियाकलाप से स्पष्ट है कि पदार्थ स्वयं सूक्ष्म कणों से मिलकर बने होते हैं जिन्हें अणु या परमाणु कहते हैं।

● **अणु (Molecule)** ●

पदार्थ का वह सूक्ष्मतम कण जो स्वतन्त्र अवस्था में रह सकता है तथा उसमें पदार्थ के सभी गुण विद्यमान होते हैं अणु कहलाता है। किसी तत्व के सभी अणु एक समान होते हैं तथा भिन्न-भिन्न तत्वों के अणु गुणों में भिन्न-भिन्न होते हैं।

● **परमाणु (Atom)** ●

किसी पदार्थ का वह सूक्ष्मतम कण जो स्वतन्त्र अवस्था में नहीं रह सकता परन्तु रासायनिक अभिक्रिया में भाग लेता है, परमाणु कहलाता है।

अणु तथा परमाणु को नग्न आँखों से देखना सम्भव नहीं है। परमाणु आपस में संयुक्त होकर अणु का निर्माण करते हैं। समान परमाणुओं के संयोग से तत्व के अणु बनते हैं, जैसे - ऑक्सीजन, हाइड्रोजन। भिन्न परमाणुओं के संयोग से यौगिक के अणु बनते हैं, जैसे - जल, कार्बन डाइऑक्साइड। अतः परमाणु किसी पदार्थ के निर्माण की मौलिक इकाई हैं।

इस बात को ध्यान में रखिये कि ऐसे सूक्ष्मतम कणों की केवल कल्पना ही की जा सकती है। इनको देखना - दिखाना सम्भव नहीं है। सारे पदार्थ अतिसूक्ष्म कणों से बनते हैं तभी इन्हें पदार्थ की संरचना की इकाई कहा जाता है।

◆ **कुछ और भी जानें** ◆

परमाणु शब्द को यूनानी भाषा में एटॉक्स कहते हैं जिसका अर्थ अविभाज्य है। डॉल्टन के परमाणु सिद्धान्त के अनुसार तत्व अत्यन्त सूक्ष्म अविभाज्य कणों से बना होता है जिन्हें परमाणु कहते हैं। इलेक्ट्रॉन, प्रोटॉन तथा न्यूट्रॉन की खोज के बाद परमाणु को विभाज्य माना जाने लगा। आधुनिक परमाणु सिद्धान्त के अनुसार परमाणु विभाज्य है। इलेक्ट्रॉन, प्रोटॉन तथा न्यूट्रॉन को परमाणु का मूलभूत कण भी कहते हैं।

◆ **अभ्यास के लिए प्रश्न (क्रमांक-11)** ◆

- 1) पदार्थ के निर्माण की मौलिक इकाई क्या है?
- 2) पदार्थ का वह सूक्ष्मतम कण जो स्वतंत्र अवस्था में रह सकता है तथा उसमें पदार्थ के सभी गुण विद्यमान होते हैं, क्या कहलाता है?
- 3) किसी तत्व के सभी अणु कैसे होते हैं?
- 4) किन तत्वों के अणु गुणों में भिन्न-भिन्न होते हैं?
- 5) किसी पदार्थ का वह सूक्ष्मतम कण जो स्वतंत्र अवस्था में नहीं रह सकता परन्तु रासायनिक अभिक्रिया में भाग लेता है, क्या कहलाता है?

◆ **उत्तरमाला (क्रमांक-10)** ◆

- 1) दो प्रकार के-हल्का, भारी
- 2) जल से हल्की वस्तुएं
- 3) जल से भारी वस्तुएं
- 4) पारदर्शी, जैसे-काँच, जल
- 5) अपारदर्शी, जैसे-लकड़ी, कागज
- 6) पारभासी, जैसे-तेल लगा कागज, पेंट लगा काँच
- 7) तीन प्रकार के- पारदर्शी, अपारदर्शी, पारभासी
- 8) दो प्रकार के-मुलायम पदार्थ, कठोर पदार्थ
- 9) दो प्रकार के-चुम्बकीय पदार्थ, अचुम्बकीय पदार्थ
- 10) निकिल, कोबाल्ट धातुओं से बनी वस्तुओं को

**[3] जल के सापेक्ष भार के आधार पर**

कुछ पदार्थ जल की अपेक्षा भारी तथा कुछ हल्के होते हैं। जो वस्तुएँ जल में सामान्यतया तैरती हैं वे जल से हल्की तथा जो डूब जाती है वे जल से भारी होती हैं। जल में कुछ पदार्थों को डाल कर देखें कौन तैरती हैं तथा कौन डूबती हैं: जैसे- मोम जल में तैरता है जिसके कारण जल से हल्का होता है जबकि लोहे की कील जल में डूब जाती है जिसके कारण जल से भारी होती है।

इस प्रकार जल के सापेक्ष भार के आधार पर पदार्थों को हल्का या भारी में वर्गीकृत किया जा सकता है।

[4] पारदर्शिता के आधार पर

लकड़ी, काँच, तेल लगे कागज, पॉलीथीन आदि के छोटे-छोटे चौकोर टुकड़ों को एकत्र करके इन्हें एक-एक करके सूर्य के प्रकाश की सीध में रखें और अवलोकन करें कि क्या प्रकाश सभी वस्तुओं के आर-पार निकल जाता है ?

★वे पदार्थ जिनके आर-पार देखा जा सकता है पारदर्शी कहलाते हैं। पदार्थ के इस गुण को पारदर्शिता कहते हैं। जैसे - काँच, जल आदि।

★वे पदार्थ जिनके आर-पार प्रकाश नहीं देखा जा सकता है, अपारदर्शी कहलाते हैं। जैसे - लकड़ी, कागज आदि।

★वे पदार्थ जिनके द्वारा धुँधला या आंशिक रूप से आर-पार देखा जा सकता है वे पारभासी कहलाते हैं। जैसे तेल लगा कागज, पेंट लगा काँच आदि।

इस प्रकार पारदर्शिता के आधार पर पदार्थ को पारदर्शी, अपारदर्शी तथा पारभासी में वर्गीकृत किया जाता है।

[5] कठोरता के आधार पर

कुछ ठोस पदार्थों जैसे - लोहा, लकड़ी, काँच के टुकड़े, रूई, ऊन, रबर की गेंद, स्पंज आदि लीजिए। एक-एक करके इनको अँगुलियों से दबाएँ। कुछ पदार्थ आसानी से दब जाते हैं, ऐसे पदार्थों को मुलायम पदार्थ कहते हैं। कुछ पदार्थ अँगुलियों से दबाने पर नहीं दबते हैं, इन पदार्थों को कठोर पदार्थ कहते हैं।

[6] चुम्बक के सापेक्ष व्यवहार के आधार पर**●क्रियाकलाप●**

अपने बस्ते में से पेन, पेन्सिल, परकार, रबर, चॉक आदि लें। इसके अतिरिक्त लोहे की कुछ कीलें, लकड़ी का बुरादा, चॉक पाउडर, प्लास्टिक के बटन तथा आलपिन को किसी कागज पर अलग-अलग रखें। एक छड़-चुम्बक लें। प्रत्येक वस्तु के पास बारी-बारी से चुम्बक को लायें। क्या देखते हैं?

चुम्बक जिन पदार्थों को चिपका लेता है अर्थात् अपनी ओर आकर्षित करता है वे चुम्बकीय तथा जिन पदार्थों को आकर्षित नहीं करता है वे अचुम्बकीय पदार्थ कहलाते हैं। चुम्बक लोहे से बनी वस्तुओं को अपनी ओर खींच लेता है। लोहे के अतिरिक्त चुम्बक, निकिल, कोबाल्ट जैसी अन्य धातुओं से बनी वस्तुओं को भी अपनी ओर आकर्षित कर लेता है।

◆ अभ्यास कार्य (क्रमांक-10) ◆

- 1) जल के सापेक्ष भार के आधार पर वस्तु कितने प्रकार के होते हैं?
- 2) जो वस्तुएं जल में सामान्यतया तैरती है, वे किस प्रकार की वस्तुएं होती हैं?
- 3) जो वस्तुएं जल में डूब जाती है, वे किस प्रकार की वस्तुएं होती हैं?
- 4) वे पदार्थ जिनके आर-पार देखा जा सकता है, किस प्रकार के पदार्थ कहलाते हैं? उनके दो उदाहरण भी दीजिए।
- 5) वे कौन से पदार्थ है जिनके आर-पार प्रकाश नहीं देखा जा सकता है? उसके दो उदाहरण भी दीजिए।
- 6) वे कौन से पदार्थ है जिनके द्वारा धुँधला या आंशिक रूप से आर-पार देखा जा सकता है? उनके दो उदाहरण भी बताइये।
- 7) पारदर्शिता के आधार पर पदार्थ कितने प्रकार के होते हैं?
- 8) कठोरता के आधार पर पदार्थ कितने प्रकार के होते हैं?
- 9) चुम्बक के सापेक्ष व्यवहार के आधार पर पदार्थ कितने प्रकार के होते हैं?
- 10) लोहे के अतिरिक्त चुम्बक किन धातुओं से बनी वस्तुओं को भी अपनी ओर आकर्षित कर लेता है?

◆ उत्तरमाला (क्रमांक-08) ◆

- | | |
|------------------------|---------------------------------------|
| 1) जल को | 8) घुलनशील या विलेय पदार्थ |
| 2) तीन- ठोस, द्रव, गैस | 9) अघुलनशील या अविलेय पदार्थ |
| 3) ठोस वस्तुओं का | 10) नमक पानी में घुलनशील है |
| 4) द्रव | किन्तु मिट्टी के तेल में अघुलनशील है। |
| 5) गैसीय वस्तुओं का | 11) तीन प्रकार के- ठोस, द्रव, गैस |
| 6) ठोस < द्रव < गैस | 12) दो प्रकार के- विलेय, अविलेय |
| 7) गैस < द्रव < ठोस | |



मिशन शिक्षण संवाद

आकाशीय पिण्ड



पृथ्वी से आकाश में दिखाई देने वाली सभी आकृतियाँ आकाशीय पिण्ड या खगोलीय पिण्ड कहलाते हैं जैसे सूर्य चंद्रमा तारे आदि।

हमें दिन में तारे क्यों नहीं दिखाई देते हैं?

दिन में सूर्य की तेज रोशनी के पीछे तारे छुप जाते हैं इसलिए वह हमें दिखाई नहीं देते हैं।

तारों के बारे में जानिए

तारे गर्म गैसों से बने गोले हैं। इनमें स्वयं द्वारा उत्पन्न प्रकाश एवं ऊष्मा होती है। हमारे आकाश में अरबों तारे हैं। बहुत से तारे हमसे इतने ज्यादा दूर हैं कि उन्हें हम बिना शक्तिशाली दूरदर्शी (टेलिस्कोप) के नहीं देख सकते। हमारा सूर्य भी एक तारा है जो पृथ्वी के सबसे निकट का तारा है।

आकाश में अनेक तारे ऐसे हैं जो हमारे सूर्य से भी बड़े हैं परंतु यह तारे हमें चंद्रमा से भी छोटे एवं कम प्रकाशमान दिखाई देते हैं। क्यों?

आसमान में बहुत ऊंचाई पर उड़ने वाला बहुत बड़ा हवाई जहाज हमें बहुत छोटा सा दिखाई देता है जबकि हवाई जहाज से बहुत छोटे आकार का पक्षी आसमान में उड़ता हुआ हमें उस हवाई जहाज से बड़ा दिखाई देता है क्योंकि आसमान में वह पक्षी हमसे काफी नजदीक है और पक्षी के मुकाबले हवाई जहाज बहुत ज्यादा दूर है। इसी तरह अधिक दूर होने के कारण सूर्य से बड़े तारे भी हमें बहुत छोटे दिखाई देते हैं।

नक्षत्र मंडल

अभ्यास प्रश्न

ध्यान दें



रात्रि के आकाश में हमें तारों के समूह द्वारा बनाई गई विभिन्न आकृतियाँ दिखाई देती हैं। इन्हें नक्षत्र मंडल कहते हैं।

प्र01- आकाशीय पिण्डों के नाम बताइए?
प्र02- तारे कैसे बने हैं?
प्र03- सूर्य क्या है?

पेज नंबर 10 के सभी अभ्यास प्रश्नों का उत्तर नवपाषाण काल है।

**मिशन शिक्षण संवाद****नवपाषाण काल**

मानव ने जब से भलीभाँति खेती करना प्रारंभ किया तभी से नवपाषाण काल प्रारंभ होता है। यह मानव सभ्यता के इतिहास का सबसे बड़ा परिवर्तन था। खेती के कारण मानव अब भोजन संग्राहक से भोजन उत्पादक बन गया। इस समय उसके पत्थर के उपकरण उपयोगी एवं सुडौल थे क्योंकि उन्हें घिसकर चमकदार बनाया जाता था। हथेदार कुल्हाड़ी एवं हँसिया इस समय के महत्वपूर्ण औजार थे। खेती के साथ पशुपालन भी प्रारंभ हुआ। पशुओं का प्रयोग माँस व दूध प्राप्त करने में किया जाता था।

अब यह मिट्टी के बर्तन बनाना भी जान गए थे। बर्तनों पर नक्काशी एवं चित्रकारी में रंगों का प्रयोग होने लगा। इसी समय मानव ने पहिए का आविष्कार किया। इसका प्रयोग चाक के रूप में मिट्टी से बर्तन बनाने तथा सामान ढोने के लिए गाड़ी के पहिए के रूप में किया गया। खेती के कारण लोग एक ही जगह रहने लगे फलस्वरूप नए-नए कौशल विकसित हुए जैसे मूँज की टोकरी व चटाई बनाना, कटाई करना, जानवरों के बालों से कपड़ा बनाना आदि। अब उनमें सामुदायिक जीवन का विकास हुआ।

मानव अब अपने खेतों के आसपास मिट्टी के घरों एवं घास फूस के छप्पर वाले घरों में रहने लगा। धीरे-धीरे यह बस्तियाँ गाँव बन गए। नवपाषाण युग का अंत होते-होते धातुओं का इस्तेमाल शुरू हो गया। सबसे पहले तांबे का प्रयोग हुआ जिसके कारण नवपाषाण काल के बाद के युग को ताम्र पाषाण युग कहा जाता है।



नव पाषाण कालीन औजार

अभ्यास प्रश्न

प्र01:- मध्यपाषाणकाल के बाद कौन सा काल आया?

प्र02:- मानव उत्पादक कब बना?

प्र03:- खेती के साथ-साथ पशुपालन मानव ने किस काल में प्रारंभ किया?

प्र04:- हथेदार कुल्हाड़ी में हँसिया किस काल के औजार थे?

प्र05:- पहिए का आविष्कार किस काल में हुआ?

प्र06:- मिट्टी के बर्तन बनाना मानव ने किस काल में किया?

पेज नं0-9 के उत्तर

- (1) मध्य पाषाण काल
- (2) कुत्ता
- (3) मध्यपाषाणकाल में
- (4) मध्य पाषाण काल के अंत में
- (5) पत्थर के औजार पुरापाषाण काल की अपेक्षा आकार में छोटे हो गए।